PERFECT

SAMPLE CONTENT

हिंदी लोकभारती

बोर्ड की नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार

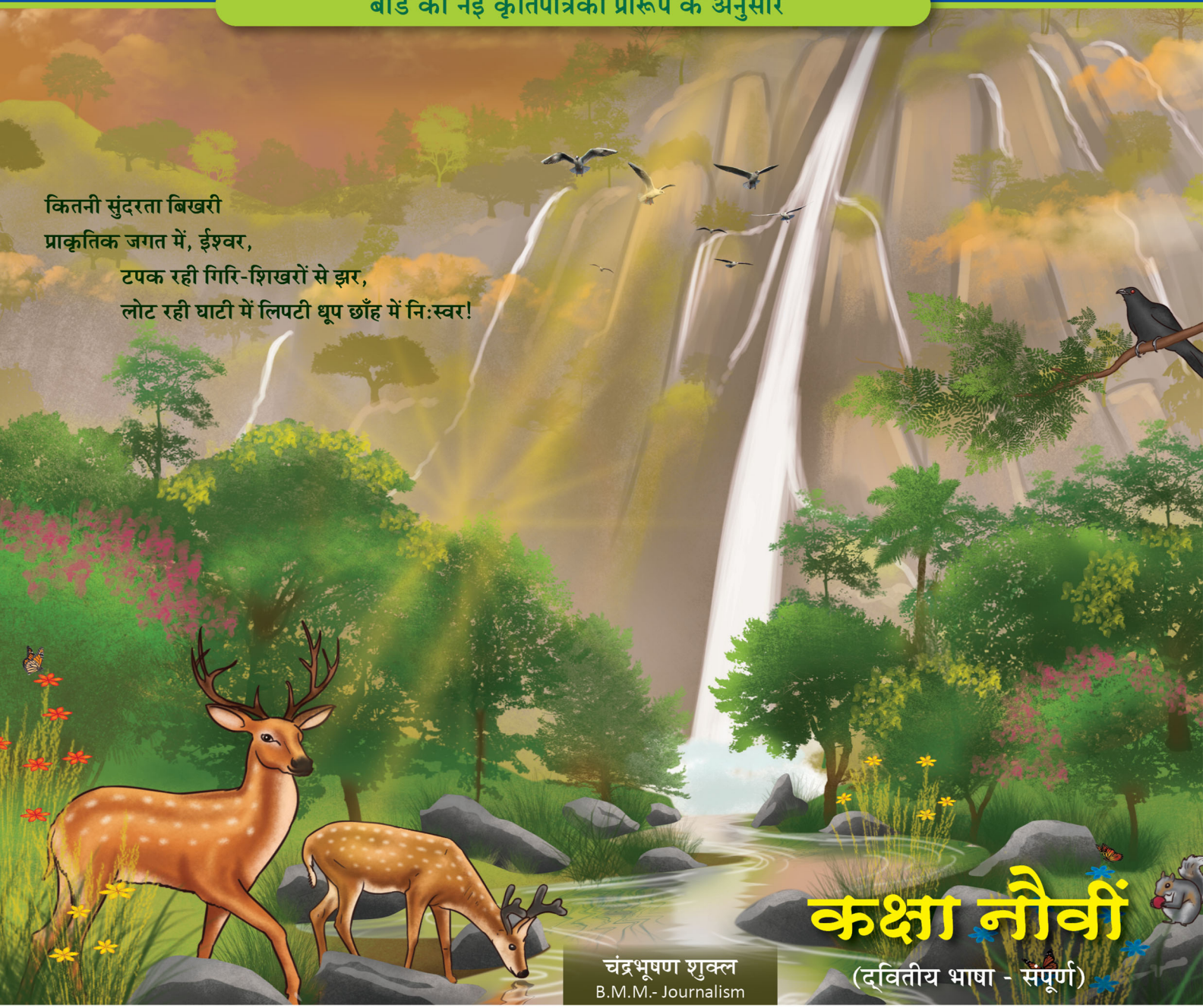

कक्षा नौवीं

(द्वितीय भाषा - संपूर्ण)

चंद्रभूषण शुक्ल
B.M.M.- Journalism

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४ द्वारा
निर्धारित कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित

PERFECT

हिंदी लोकभारती

नौवीं कक्षा

विशेषताएँ

- बोर्ड कृतिपत्रिका प्रारूप व अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- विविध आकलन कृतियों का समावेश
- प्रत्येक पाठ का गद्यांश व पद्यांश में विभाजन
- अधिकाधिक अभ्यास हेतु भाषा अध्ययन (व्याकरण) का प्रत्येक पाठ में समावेश
- विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु स्वतंत्र भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग
- लेखन कौशल विकास हेतु रचना विभाग (उपयोजित लेखन) का स्वतंत्र विभाग

Sample Content

Printed at: **India Printing Works,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 3816** P.O. No. 13599

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थियो!

हम सहृदय नौवीं कक्षा में आपका अभिनंदन करते हैं। शैक्षणिक यात्रा के इस पड़ाव पर मानसिक चिंता व चिंतन दोनों का बढ़ना स्वाभाविक है। शिक्षा की पारंपरिक पद्धतियों में परिवर्तन कर उसे आधुनिक स्वरूप में ढालने व शिक्षा को व्यवहार जगत से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षण मंडळ ने इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। शिक्षण मंडळ के उठाए गए इस कदम से ज्ञान के रूप में विविधता आने के साथ ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास निश्चित है। नई कृतिपत्रिका प्रारूप को आधार बनाकर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **PERFECT हिंदी लोकभारती : नौवीं कक्षा** मार्गदर्शक पुस्तिका का निर्माण किया गया है। यह पुस्तिका पाठ्यक्रम को सरल, सुगम एवं रुचिकर बनाने के साथ ही विद्यार्थी एवं पाठ्यक्रम के बीच सेतु का कार्य करेगी।

विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता प्रबल करने अर्थात श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन में उन्हें दक्ष बनाने के साथ ही उनकी कल्पनात्मक व वैचारिक शक्ति को और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से इस पुस्तिका का निर्माण किया गया है। पुस्तिका की विविध विशेषताओं की विवेचना आगे के कुछ पृष्ठों पर विस्तारित रूप से की गई है। हमें आशा और विश्वास है कि यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल है: mail@targetpublications.org

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: तीसरा

Sample Content

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी लोकभारती' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

विशेषताएँ

सरल भाषा

विद्यार्थियों की सुविधा हेतु सरल भाषा शैली का प्रयोग किया गया है।

कुल अंक विभाजन

लोकभारती के कुल अंकों के विभाजन का वर्णन यहाँ किया गया है।

पाठ परिचय

प्रत्येक पाठ का आवश्यकतानुसार पाठ परिचय दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को पाठ के उद्देश्य को समझने में आसानी होगी।

शब्दार्थ/मुहावरे/कहावतें

प्रत्येक पाठ में आए कठिन शब्दों के सरल हिंदी व अंग्रेजी अर्थ दिए गए हैं। पाठ में प्रयुक्त मुहावरे व कहावतें भी अर्थ सहित दिए गए हैं।

भावार्थ/सरल अर्थ

कविताओं को सरलता से समझने के लिए उनके सरल अर्थ दिए गए हैं।

गद्यांश व पद्यांश

प्रत्येक पाठ का गद्यांश व पद्यांश में विभाजन कर उनपर आधारित कृतियाँ दी गई हैं।

पाठ पर आधारित कृतियाँ

संपूर्ण पाठ पर आधारित कृतियों को इस विशेष विभाग में शामिल किया गया है।

भाषिक कौशल

पाठ्यपुस्तक में दी गई श्रवणीय, संभाषणीय, पठनीय आदि कृतियों को आवश्यकतानुसार इस विभाग में शामिल किया गया है।

अपठित गद्यांश

इस विभाग में आवश्यकतानुसार अपठित गद्यांशों को शामिल किया गया है।

भाषा अध्ययन (व्याकरण)

व्याकरण के विभिन्न घटकों को प्रत्येक पाठ में समाहित करने के साथ ही इस विशेष विभाग में उनका विस्तारित विवेचन करते हुए अभ्यास दिया गया है।

उपयोजित लेखन

विद्यार्थियों को लेखन की कला में निपुण बनाने के लिए यहाँ पत्र-लेखन, गद्य-आकलन, वृत्तांत-लेखन, कहानी-लेखन, विज्ञापन-लेखन व निबंध-लेखन का समावेश किया गया है।

अंतर्गत मूल्यमापन

पुस्तिका के अंत में अंतर्गत मूल्यमापन का विस्तृत वर्णन किया गया है।

Sample Content

विषय - सूची

क्र.	पाठ का नाम	रचनाकार	पृष्ठ
	पहली इकाई		
१.	चाँदनी रात	मैथिलीशरण गुप्त	१
२.	बिल्ली का बिलुंगड़ा	राजेंद्र लाल हांडा	६
३.	कबीर (पूरक पठन)	हजारी प्रसाद द्विवेदी	१४
४.	किताबें	गुलजार	२१
५.	जूलिया	अंतोन चेखव	२६
६.	ऐ सखि! (पूरक पठन)	अमीर खुसरो	३३
७.	डॉक्टर का अपहरण	डॉ. हरिकृष्ण देवसरे	३८
८.	वीरभूमि पर कुछ दिन	रुक्मणी संगल	५०
९.	वरदान माँगूँगा नहीं	शिवमंगल सिंह 'सुमन'	६२
१०.	रात का चौकीदार (पूरक पठन)	सुरेश कुशवाहा 'तन्मय'	६७
११.	निर्माणों के पावन युग में	अटल बिहारी वाजपेयी	७२
	दूसरी इकाई		
१.	कह कविराय	गिरिधर	७७
२.	जंगल (पूरक पठन)	चित्रा मुद्गल	८५
३.	इनाम	अरुण	९३
४.	सिंधु का जल	अशोक चक्रधर	१०३
५.	अतीत के पत्र	विनोबा और गांधी जी	१०८
६.	निसर्ग वैभव (पूरक पठन)	सुमित्रानंदन पंत	११७
७.	शिष्टाचार	भीष्म साहनी	१२३
८.	उड़ान	चंद्रसेन विराट	१३३
९.	मेरे पिता जी (पूरक पठन)	डॉ. हरिवंशराय बच्चन	१३८
१०.	अपराजेय	कमल कुमार	१४६
११.	स्वतंत्रता गान	गोपाल सिंह नेपाली	१५६
	अपठित गद्यांश		१६१
	भाषा अध्ययन (व्याकरण)		
१.	शब्द-भेद (Parts of Speech)		१६६
२.	काल (Tense)		१७२
३.	संधि (Combination)		१७४
४.	वाक्य-भेद (Types of sentences)		१७७
५.	शुद्धाक्षरी लेखन		१७९
६.	कारक (Case)		१८०
७.	विरामचिह्न (Punctuations)		१८१
८.	प्रत्यय (Suffix)		१८३
९.	मानक वर्तनी		१८४

Sample Content

	रचना विभाग (उपयोजित लेखन)	
१.	पत्र-लेखन	१८५
२.	गद्य-आकलन	१९२
३.	वृत्तांत-लेखन	१९४
४.	कहानी-लेखन	१९७
५.	विज्ञापन-लेखन	२०२
६.	निबंध-लेखन	२०६
	अंतर्गत मूल्यमापन	२१०

निर्देश: पाठ में दी गई कृतियों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

लोकभारती कुल अंक विभाजन

लिखित परीक्षा – ८० अंक		
विभाग	**घटक**	**अंक**
१	गद्य	२०
२	पद्य	१२
३	पूरक पठन	०८
४	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	१४
५	उपयोजित लेखन	२६
	कुल अंक	८०

अंतर्गत मूल्यमापन – २० अंक

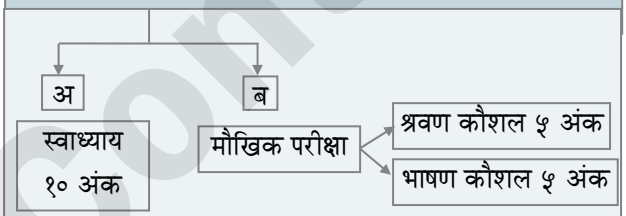

[महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४]

व्याकरण में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी व्याकरण व शब्दसंपदा"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

उपयोजित लेखन में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी उपयोजित लेखन"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

Sample Content

Sample Content

पहली इकाई

१ चाँदनी रात

– मैथिलीशरण गुप्त

परिचय

रचनाकार

मैथिलीशरण गुप्त जी खड़ी बोली के महत्त्वपूर्ण कवि हैं। इनका जन्म ३ अगस्त, १८८६ को चिरगाँव, झाँसी (उत्तर प्रदेश) में हुआ था और इनकी मृत्यु १२ दिसंबर, १९६४ को हुई। इनकी रचनाएँ मानवीय संवेदनाओं, विशेषत: नारी के प्रति करुणा की भावना से ओतप्रोत हैं। इनकी प्रमुख कृतियों में साकेत (महाकाव्य), यशोधरा, जयद्रथ वध, पंचवटी, भारत-भारती (खंडकाव्य), रंग में भंग, राजा-प्रजा (नाटक) आदि का समावेश है।

पद्य

खंडकाव्य में मानव जीवन की किसी एक ही घटना की प्रधानता होती है। प्रासंगिक कथाओं को इसमें स्थान नहीं मिलता। यह पद्य पंचवटी खंडकाव्य से लिया गया है।

शब्द संसार

शब्दार्थ

अंबर	आकाश (sky)
अवनि	धरती, वसुंधरा (earth)
कार्य-कलाप	गतिविधि (activity)
कुटीर	झोंपड़ी, कुटिया (hut)
कुसुमायुध	अनंग, कामदेव (cupid)
चंचल	हिलने-डुलने वाला, जो शांत न हो (fickle)
चारु	सुंदर (fascinating)
तनु	तन (body)
तरु	वृक्ष (tree)
तृण	घास (grass)
थल	जमीन (land)
दृष्टिगत	जो दिखाई पड़ता हो (optic)
धनुर्धर	तीरंदाज (bowman)
नटी	अभिनेत्री (actress)
निर्भीक	निडर (bold)
नियति	प्रकृति, भाग्य (destiny)
निरानंद	आनंदरहित, दुख (sadness)
निस्तब्ध	गतिहीन (motionless)
पर्ण	पत्ता (leaf)
पुलक	रोमांच (thrill)
प्रगट	व्यक्त करना (express)
भुवन	संसार (environment)
मंद	धीमा (slow)
विरामदायिनी	आराम पहुँचाने वाली (relaxing)
शिला	पत्थर (rock)
श्याम	काला, साँवला (dark)
सुमंद	बहुत धीमा (very slow)
स्वच्छंद	मनमाना (self-willed)
हरित	हरा (green)

भावार्थ / सरल अर्थ

१. **चारु चंद्र की ..... पवन के झोंकों से।।**

अर्थ: कवि ने इस पद्य में प्रकृति की सुंदरता का सुंदर वर्णन किया है। रात के समय चाँद की चंचल किरणें जल-थल में खेलती हुई प्रतीत हो रही हैं। पृथ्वी और आकाश में चारों ओर चाँदनी फैली हुई है। ऐसा लगता है कि हरी-हरी घास के नोकों से धरती अपनी खुशियों का इजहार कर रही है और मंद-मंद चल रही हवा के झोंकों से सारे पेड़ झूम रहे हैं।

२. **क्या ही स्वच्छ ..... शांत और चुपचाप।।**

अर्थ: चारों ओर स्वच्छ चाँदनी बिखरी हुई है। ऐसा लग रहा है कि जैसे यह रात थम-सी गई है। एक मनमोहक सुगंध वातावरण में फैली हुई है। हर तरफ आनंद-ही-आनंद है। इस स्तब्ध कर देने वाली सुंदरता का असर सभी की सूत्रधार नियति अर्थात प्रकृति पर नहीं पड़ रहा है। उसके क्रिया-कलाप एकांत भाव से चुपचाप जारी हैं।

३. **है बिखेर देती ..... रूप छलकाता है।।**

अर्थ: रात्रि के समय धरती मोती के समान दिखाई देने वाली ओस की बूँदें चारों ओर बिखेर देती है, लेकिन सुबह होते ही जब रवि अर्थात सूर्य आता है, तो वह उन ओस की बूँदों को बटोर लेता है। अपने सफर के विराम के साथ ही सूर्य भी संध्या का उपहार धरती को दे जाता है। रात्रि और दोपहर के मध्य का यह समय प्रकृति को एक नया रूप देता है।

Sample Content

४. **पंचवटी की छाया ..... दृष्टिगत होता है।।**

अर्थ: पंचवटी की छाया में एक सुंदर पर्णकुटी का निर्माण कर उसके सामने पत्थर की एक स्वच्छ शिला पर कोई विनम्र और निडर वीर बैठा हुआ है। जब हर कोई सो रहा है तो आखिर यह कौन धनुर्धर है, जो जाग रहा है? कामदेव की तरह सुंदर दिखाई देने वाला यह वीर योद्धा योगी जान पड़ता है।

पद्यांश – १

पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक १

[चारु चंद्र की चंचल .....

..... शांत और चुपचाप।।]

निर्देश: यहाँ पद्यांश की पंक्तियों को पूरा न देते हुए उसके आरंभ और अंत के शब्द संकेत के लिए दिए गए हैं। विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक से इन पंक्तियों को पढ़ें। ज्ञात हो कि परीक्षा में पद्यांश की पूरी पंक्तियाँ दी जाएँगी, जिसके आधार पर कृतियों के उत्तर लिखने होंगे।

१ – आकलन कृतियाँ

१. **आकृति पूर्ण कीजिए:**

चंद्रमा की किरणें यहाँ खेल रही हैं...

उत्तर: १. जल २. थल

२. **आकृति पूर्ण कीजिए:**

चाँद की चाँदनी यहाँ बिखरी हुई है

उत्तर: १. अवनि २. अंबर

*३. **आकृति पूर्ण कीजिए:**

चाँदनी रात की विशेषताएँ

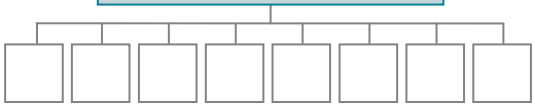

उत्तर: १. चंद्रमा की चंचल किरणें जल-थल में खेल रही हैं।
२. धरती और आकाश में स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है।
३. हरी घास की नोकों से धरती प्रसन्नता प्रकट कर रही है।
४. हवा के झोंकों से सारे वृक्ष झूम रहे हैं।
५. सभी दिशाओं में मनमोहक गंध फैली हुई है।
६. सभी दिशाएँ आनंदित हैं।
७. नियति के सारे क्रिया-कलाप जारी हैं।
८. चारों ओर शांति है।

४. **निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

१. धरती खुशियाँ मना रही है।
२. सारे वृक्ष स्तब्ध हो गए हैं।
३. सभी दिशाएँ आनंदित हैं।
४. नियति के क्रिया-कलाप ठप पड़ गए हैं।

उत्तर: १. सत्य २. असत्य
३. सत्य ४. असत्य

२ – शब्द संपदा

१. **पद्यांश में आए शब्द-युग्म खोजकर लिखिए:**

१. _____ २. _____
३. _____

उत्तर: १. जल-थल २. स्वच्छ-सुमंद
३. कार्य-कलाप

*२. **निम्न शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए: (भाषा बिंदु)**

१. तरु २. चंद्र

उत्तर: १. वृक्ष, पेड़, विटप
२. शशि, चंद्रमा, चाँद

३ – सरल अर्थ

*१. **निम्नलिखित पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए:**

च. चारु चंद्र .....झोंकों से।

उत्तर: कवि ने इस पद्य में प्रकृति की सुंदरता का सुंदर वर्णन किया है। रात के समय चाँद की चंचल किरणें जल-थल में खेलती हुई प्रतीत हो रही हैं। पृथ्वी और आकाश में चारों ओर चाँदनी फैली हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि हरी-हरी घास के नोंकों से धरती अपनी खुशियों का इजहार कर रही है और मंद-मंद चल रही हवाओं के झोंकों में सारे वृक्ष झूम रहे हैं।

छ. क्या ही स्वच्छ.....शांत और चुपचाप।

उत्तर: चारों ओर स्वच्छ चाँदनी बिखरी हुई है। ऐसा लग रहा है कि जैसे यह रात थम-सी गई है। एक मनमोहक सुगंध वातावरण में फैली हुई है। हर तरफ आनंद-ही-आनंद है। इस स्तब्ध कर देने वाली सुंदरता का प्रभाव सभी की सूत्रधार नियति अर्थात प्रकृति पर नहीं पड़ रहा है। उसके क्रिया-कलाप एकांत भाव से चुपचाप जारी हैं।

Sample Content

पद्यांश – २

पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक २

|है बिखेर देती .....

..... बना दृष्टिगत होता है।।|

१ – आकलन कृतियाँ

***१. संजाल पूर्ण कीजिए:**

तारों के उदित और अस्त होने के बारे में कल्पना

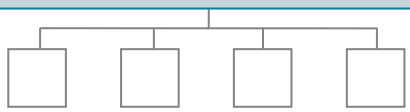

उत्तर: १. धरती द्वारा मोती बिखेरना।
२. सूर्य द्वारा संध्या दे जाना।
३. सूर्य द्वारा मोती बटोरना।
४. सवेरा हो जाना।

२. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों:

१. रवि　　२. श्याम
३. पंचवटी　　४. कुटीर

उत्तर: १. सुबह होने पर मोती कौन बटोर लेता है?
२. संध्या का तन कैसा है?
३. कुटीर का निर्माण किसकी छाया में हुआ है?
४. स्वच्छ शिला किसके सामने है?

३. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

१. _____ सबके सो जाने पर मोती बिखेरती है।
(आसमान, वसुंधरा, चाँदनी)

२. संध्या _____ की विरामदायनी है।
(पृथ्वी, सूरज, चंद्रमा)

३. पंचवटी की छाया में _____ बनाया गया था।
(कुटीर, महल, तंबू)

४. जब सारा भुवन सोता है तब भी _____ जागता रहता है।
(धनुर्धर, भोगी, कामदेव)

उत्तर: १. वसुंधरा　　२. सूरज
३. कुटीर　　४. धनुर्धर

२ – शब्द संपदा

***१. निम्न शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए: (भाषा बिंदु)**

१. वसुंधरा　　२. कृषक
३. उद्यान　　४. अरण्य

उत्तर: १. धरती, धरा, अवनि, महि
२. किसान, भूमिपुत्र, हलधर, अन्नदाता
३. फुलवारी, उपवन, बगीचा, बाग
४. कानन, जंगल, वन

२. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए:

१. विराम देने वाली-　　२. पाँच वटों का समूह-
३. भोग करने वाला-　　४. योग करने वाला-

उत्तर: १. विरामदायिनी　　२. पंचवटी
३. भोगी　　४. योगी

३ – सरल अर्थ

१. पद्यांश के तीसरे खंड का सरल अर्थ लिखिए।

उत्तर: पंचवटी की छाया में एक सुंदर पर्णकुटी का निर्माण कर उसके सामने पत्थर की एक स्वच्छ शिला पर कोई विनम्र और निडर वीर बैठा हुआ है। जब हर कोई सो रहा है तो आखिर यह कौन धनुर्धर है, जो जाग रहा है? कामदेव की तरह सुंदर दिखाई देने वाला यह वीर योद्धा योगी जान पड़ता है।

पाठ पर आधारित कृतियाँ

***रचना बोध**

उत्तर: प्रस्तुत पद्यांश 'पंचवटी' खंडकाव्य से लिया गया है। चाँदनी रात में प्रकृति के मनमोहक रूप को बड़े ही सुंदर तरीके से चित्रित किया गया है। इस अवसर पर खुशी में झूम रहे धरती, अंबर, चारों दिशाओं सहित पूरी प्रकृति का सुंदर चित्रण किया गया है।

भाषा अध्ययन (व्याकरण)

१. निम्नलिखित अधोरेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

१. चंद्रमा की किरणें हर तरफ फैली हैं।
२. स्वच्छ चाँदनी बिखरी है।

उत्तर: १. चंद्रमा – संज्ञा　　२. स्वच्छ – विशेषण

२. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

१. ऊपर　　२. वहाँ

उत्तर: १. ऊपर जाने के लिए सीढ़ियों का प्रयोग करें।
२. वहाँ बहुत सारे लोग हैं।

Sample Content

३. तालिका पूर्ण कीजिए:

क्र.	संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि
१.	सज्जन	_____	_____
२.	_____	अन्य + अन्य	_____

उत्तर:

क्र.	संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि
१.	सज्जन	सत् + जन	व्यंजन संधि
२.	अन्यान्य	अन्य + अन्य	स्वर संधि

४. निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रियाएँ पहचानकर उनके मूल रूप लिखिए:

१. चाँद निकल गया।
२. हवा चलने लगी।

उत्तर: १. गया – जाना २. लगी – लगना

५. निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए:

१. रोना २. जगना

उत्तर:

क्र.	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
१.	रोना	रुलाना	रुलवाना
२.	जगना	जगाना	जगवाना

६. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक पहचानकर भेद सहित लिखिए:

१. चंद्रमा ने अपनी किरणें बिखेरीं।
२. पूर्व से सूरज निकला।

उत्तर: १. ने – कर्ता कारक
२. से – अपादान कारक

७. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए:

१. जल थल में किरणें खेल रही हैं
२. सुनो तुम्हें किसने यहाँ बुलाया

उत्तर:

१. जल-थल में किरणें खेल रही हैं।
२. सुनो, तुम्हें किसने यहाँ बुलाया?

८. निम्नलिखित वाक्यों का सूचनानुसार काल परिवर्तन कीजिए:

१. चंद्रमा निकल रहा था। (पूर्ण वर्तमान काल)
२. नियति के कार्य-कलाप चल रहे हैं। (सामान्य भविष्य काल)

उत्तर:

१. चंद्रमा निकल गया है।
२. नियति के कार्य-कलाप चलेंगे।

९.

i. रचना के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए:

१. मानवी ने कहा कि वह घर जा रही है।
२. राम और सीता पति-पत्नी हैं।

उत्तर: १. मिश्र वाक्य २. सरल वाक्य

ii. सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए:

१. धनुर्धर जाग रहा है। (प्रश्नार्थक वाक्य)
२. रवि सारे मोती बटोर लेता है। (निषेधार्थक वाक्य)

उत्तर:

१. कौन धनुर्धर जाग रहा है?
२. रवि सारे मोती नहीं बटोर लेता है।

१०. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

१. चारू चँद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं।
२. तृण की नोकों से प्रसन्नता दिखता है।

उत्तर:

१. चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं।
२. तृणों की नोकों से प्रसन्नता दिखती है।

व्याकरण में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी व्याकरण व शब्दसंपदा"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें।

अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

भाषिक कौशल

***आसपास**

आपके परिवेश के किसी सुंदर प्राकृतिक स्थल का वर्णन निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कीजिए।

निर्देश: विद्यार्थी अपने आसपास स्थित किसी सुंदर प्राकृतिक स्थल का भ्रमण करें और उसके बारे में सारी जानकारी एकत्रित कर दिए गए मुद्दों के आधार पर उसका वर्णन करें।

***कल्पना पल्लवन**

'पुलक प्रगट करती है धरती हरित तृणों के नोकों से', इस पंक्ति का कल्पना विस्तार कीजिए।

(पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. १)

उत्तर: चाँदनी रात का दृश्य है। चारों तरफ चाँदनी की छटा बिखरी हुई है। प्रकृति की सुंदरता पृथ्वी के कण-कण में फैली है। मानो ईश्वर रूपी चित्रकार ने बड़ी कुशलता से प्रकृति के इस सुंदर रूप को बनाया है। चाँदनी रात में बहने वाली शीतल, मंद हवा चारों ओर एक सुकून का माहौल बनाती है। पूरी धरती चाँदनी रात में मानो प्रकाश से नहा

Sample Content

जाती है। दिन-भर की तपन से हरित तृण की नोक कुम्हला जाती है, किंतु शीतल हवा के झोंके आकर हरित तृणों को आनंदित करते हैं। हरित तृण प्रसन्न होकर झूम रहे हैं। उनकी इस प्रसन्नता से ऐसा प्रतीत होता है कि धरती अपनी खुशी प्रकट कर रही है। इस मनोरम दृश्य को देखकर मनुष्य को अद्‌भुत आनंद प्राप्त होता है।

***पठनीय**

संचार माध्यमों से 'राष्ट्रीय एकता' पर आधारित किसी समारोह की जानकारी पढ़िए।

निर्देश: विद्‌यार्थी अपने शिक्षक के मार्गदर्शन में संचार माध्यमों के माध्यम से 'राष्ट्रीय एकता' पर आधारित किसी समारोह की जानकारी पढ़ें।

***श्रवणीय**

अपने घर-परिवार के बड़े सदस्यों से लोककथाओं को सुनकर कक्षा में सुनाइए।

निर्देश: विद्‌यार्थी अपने अभिभावकों, परिजनों अथवा बुजुर्गों से लोककथाओं के बारे में सुनें और कक्षा में अपने मित्रों को भी सुनाएँ।

***लेखनीय**

'प्रकृति मनुष्य की मित्र है', स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: हमारे आस-पास सबसे सुंदर और आकर्षक हमारी प्रकृति है। ये हमें खुश रखती है और स्वस्थ जीवन जीने के लिए सुखदायी और अच्छा वातावरण भी देती है। प्रकृति द्‌वारा मनुष्य को पीने के लिए पानी, साँस लेने के लिए हवा, पेट भरने के लिए भोजन, रहने के लिए जमीन, विविध पशु-पक्षी, पेड़-पौधे आदि उपलब्ध कराती है। मनुष्य सदियों से प्रकृति की गोद में फलता-फूलता रहा है। लाखों वर्ष जब मनुष्य विकास की प्रारंभिक अवस्था में था तब भी वह प्रकृति पर ही निर्भर था। आज जब उसने विज्ञान की ऊँचाइयों को छू लिया है तब भी वह प्रकृति पर ही निर्भर है। प्रकृति ने सदा अपनी मित्रता निभाई है, परंतु मनुष्य आज उसे नुकसान पहुँचा रहा है। विकास की होड़ में वह लगातार प्रकृति के रूप को बिगाड़ता व उसे नुकसान पहुँचाता जा रहा है। मनुष्य को प्रकृति के संतुलन को बिगड़ने नहीं देना चाहिए। जितना हो सके प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कम करना चाहिए। यदि मनुष्य इस कार्य में विफल रहा तो वह अपने सबसे अच्छे मित्र को सदा के लिए खो देगा।

प्रकृति से तुम करो प्यार,
प्रकृति है ईश्वर का उपहार।
करो ना तुम इस पर अत्याचार,
वरना मच जाएगा हाहाकार।

***संभाषणीय**

शरद पूर्णिमा त्योहार के बारे में चर्चा कीजिए।

निर्देश: विद्‌यार्थी अंतरजाल अथवा पुस्तकालय से शरद पूर्णिमा त्योहार के बारे में जानकारी एकत्रित करें और आपस में चर्चा करें।

***पाठ से आगे**

दिए गए शब्दों का उपयोग करते हुए स्वरचित कविता बनाकर काव्यमंच पर प्रस्तुत कीजिए।

तारे-आकाश-पर्वत-नदी-पृथ्वी

निर्देश: विद्‌यार्थी दिए गए मुद्‌दों के आधार पर स्वयं एक कविता बनाएँ और काव्यमंच पर उसे प्रस्तुत करें।

उपयोजित लेखन में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी उपयोजित लेखन"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

Sample Content

AVAILABLE NOTES FOR STD. IX:
(Eng., Mar. & Semi Eng. Medium)

PERFECT SERIES

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology

PERFECT SERIES

- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

AVAILABLE NOTES FOR STD. X:
(Eng., Mar. & Semi Eng. Medium)

PERFECT SERIES

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

PRECISE SERIES

- History, Political Science and Geography
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

Additional Titles: (Eng., Mar. & Semi Eng. Med.)

- Grammar & Writing Skills Books (Std. X)
  - Marathi • Hindi • English
- Hindi Grammar Worksheets
- 3 in 1 Writing Skills
  - English (HL) • Hindi (LL) • Marathi (LL)
- 3 in 1 Grammar (Language Study) & Vocabulary
  - English (HL) • Hindi (LL) • Marathi (LL)
- SSC 54 Question Papers & Activity Sheets With Solutions
- आमोद: (सम्पूर्ण-संस्कृतम्) – SSC 11 Activity Sheets With Solutions
- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त), संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्) – SSC 12 Activity Sheets With Solutions
- IQB (Important Question Bank)
- Mathematics Challenging Questions
- Geography Map & Graph Practice Book
- A Collection of Board Questions With Solutions

PRECISE SERIES

- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - १)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - २)

OUR PRODUCT RANGE

Children Books | School Section | Junior College
Degree College | Entrance Exams | Statponery

Visit Our Website

Published by:
Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning

Explore our range of
STATIONERY

B2, 9th Floor, Ashar, Road No. 16/Z, Wagle Industrial Estate, Thane (W)-400604 | 88799 39712 / 14 | 88799 39713 / 15
www.targetpublications.org mail@targetpublications.org